सभापति महोदय, मूलत: **हमारे देश की** कानून और व्यवस्था की स्थिति आज बड़े तनाव में है जिसके **आतंकवाद,नक्सलवाद** / यानि **वामपंथी उग्रवाद, क्षेत्रीयता** तथा **साम्प्रदायिकता** जैसे अनेक कारण हैं। ये चारों कारण गहरी चिन्ता के विषय हैं और हमें // **यह सुनिश्चित करना होगा** कि उन्हें देश की एकता और अखंडता को कोई नुकसान पहुंचाने की इजाजत नहीं **दी जा /// सकती**। **जैसा कि मैंने कहा** भारत एक अर्ध्द संघीय देश है। आप विभिन्न राज्यों से चुन कर आते हैं या (1) आप किसी खास क्षेत्र से भी संबंध रखते हैं परन्तु आपका संबंध उन विशेषाधिकार प्राप्त सांसदों की बिरादरी से भी / है जिन पर यह जिम्मेदारी है कि देश के विभिन्न भागों में अपने प्रवास और तैनाती के दौरान प्राप्त अनुभवों / / और ज्ञान से देश की एकता और **अखंडता** को हर कीमत पर बनाए रखें।

देश के विभिन्न भागों में / / / आज स्थिति अशांत है, विशेषकर मध्य तथा पूर्वी भारत में। पूर्वोत्तर राज्यों की विशेष समस्याएं हैं और जम्मू-कश्मीर की (2) अपनी **विशेष प्रकार की** समस्याएं हैं। यदि भारत को अपनी **संगठनात्मक** पहचान बनाए रखनी है, तो हमें इन सभी क्षेत्रों / पर लम्बे समय तक ध्यान देना होगा। यदि हमने आदिवासी क्षेत्रों की समस्याओं पर उतना ध्यान नहीं दिया, जितना कि / / उन पर **दिया जाना चाहिए**, तो जैसा कि हमने देश के कुछ भागों में देखा है, इससे नक्सलवाद को बढावा /// **मिल सकता है**। हम अपने लोगों के किसी समूह को इस तरह **पथ भ्रमित** होकर उन्हें हाथ में कानून लेते (3) नहीं देख सकते। हमें यह काम इस ढंग से करना है जिससे हमारे प्रशासन, विशेषकर **पुलिस प्रशासन** में, लोगों का / भरोसा और विश्वास बना रहे।

भारत में 20 लाख से अधिक **पुलिसकर्मी** हैं। हमें आशा है कि आप उनमें / / यह भावना भरने में समर्थ होंगे कि आप उनके भरोसे और विश्वास के काबिल हैं। मैं समझता हूँ कि **सशस्त्र** /// बलों में, अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की विशेष जिम्मेदारी दी जाती है कि जो लोग उनके **मातहत** काम करते (4) हैं वे पूर्णत: संतुष्ट हों। यदि उनकी कोई समस्या है, तो उन पर तेजी से ध्यान दिया जाना चहिए। एतएव / महिला और पुरुष दोनों पुलिस कर्मियों का कल्याण और पुलिस थानों के प्रबंधन का तौर तरीके बहुत महत्त्व रखते हैं।/ /

हाल के दिनों में कुछ **गैर सरकारी संगठनों** और **मानवाधिकार संगठनों** द्वारा चिन्ता व्यक्त की जाती रही है कि लोगों /// को **प्राथमिकी** दर्ज कराने में **परेशानियों का सामना करना पड़ता है**। ये समस्यायें **निहित स्वार्थी** तत्वों की मौजूदगी के कारण (5) आती है। मैं समझता हूँ कि ये कुछ ऐसी चिन्ताएं हैं जिनका **निराकरण** किया जाना चाहिए। जैसा कि मैंने कहा/, हमारे देश में कानून का **प्रवर्तन** तनाव में है। **(428 शब्द)**

कठिन शब्दों व वाक्यांशों की आउटलाइन

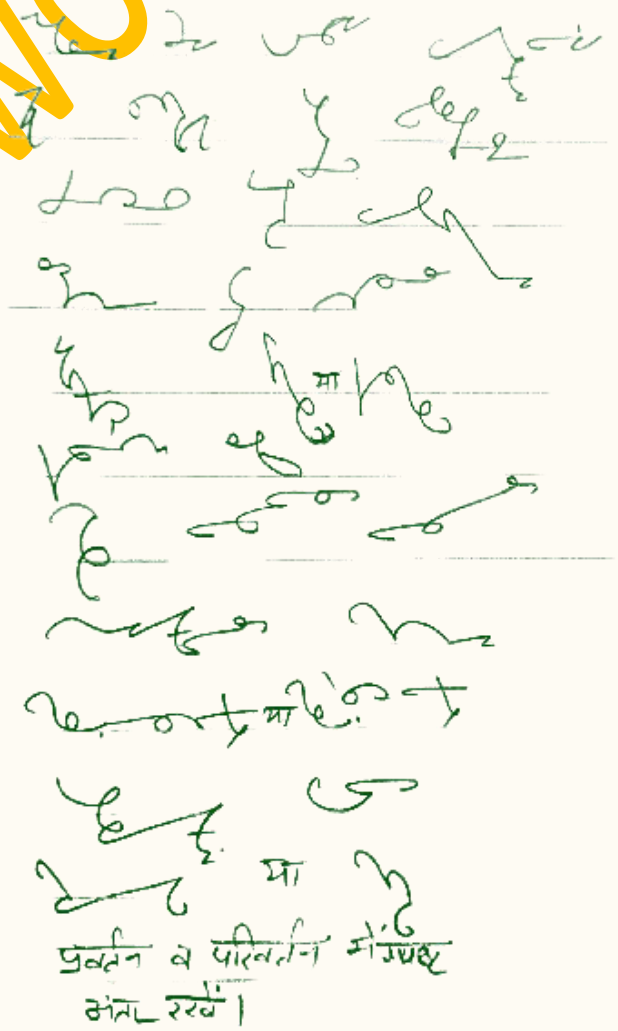

www.StenoWorld.com

No Redistribution. You are not permitted to resell or redistribute this content to other parties without prior written consent of the original author
© www.StenoWorld.com (Formerly SSC Stenographers' Zone on YouTube)

UPPSC अपर निजी सचिव

स्पेशल हिन्दी डिक्टेशन सीरीज

@ ₹ 199/- Only

FREE

फ्री ट्रायल डिक्टेशन आज ही लिखें

विशेषताएं :– +91-9899065274

- एकदम नई Unseen डिक्टेशन (कोई किताब/संपादकीय से नहीं)
- बेहतर अभ्यास हेतु 80, 85 व 90 WPM की गति से श्रुतलेख
- सामान्य व कठिन सभी प्रकार की डिक्टेशन का संकलन
- शब्दों व वाक्यांशों के अभ्यास हेतु विशेष रूप से बनाई गई डिक्टेशन
- अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा स्पष्ट HD ऑडियो + फ्री आशुलिपि पत्रिका
- बेहतर अभ्यास हेतु डिक्टेशन की गति घटाने/बढ़ाने की सुविधा(90WPMवाला 80WPM में)

Join : StenoWorld.com (by SSC Stenographers' Zone)

विशेषताएं :-

- कठिन, सरल व सामान्य सभी प्रकार के Dictations
- अपर निजी सचिव (APS) Skill Test के पैटर्न पर आधारित 100+ (80-90 WPM) अभ्यास
- राज्यपाल अभिभाषण, मुख्यमंत्री भाषण, योजना पत्रिका, कुरुक्षेत्र पत्रिका, अन्य महत्वपूर्ण आलेख, अध्यात्मिक मैटर, आर्थिक परिचर्चा व अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित श्रुतलेख
- Noise free HD Audio Quality
- मिलान करने के लिए सभी मैटर का PDF उपलब्ध
- Free हिन्दी आशुलिपि पत्रिका eBook
- WhatsApp/Telegram पर आउटलाइन से संबंधित सहायता उपलब्ध
- Experienced प्रशिक्षकों द्वारा बोले गए डिक्टेशन
- एकदम नई Unseen डिक्टेशन - कोई किताब से रिपीटेड नहीं

No Redistribution. You are not permitted to resell or redistribute this content to other parties without prior written consent of the original author
© www.StenoWorld.com (Formerly SSC Stenographers' Zone on YouTube)